प्रकाशन तिथि : 15 मार्च, 2023
प्रेषण तिथि : 19 मार्च, 2023

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2021-23
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 27 | अंक 01 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रतिः रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

जो बड़े से बड़े त्याग को तत्पर, वही क्षत्रियः संरक्षक श्री

(गुजरात के साणंद और मोरवाड़ा में स्नेहमिलन सम्पन्न)

भारत दुनिया में पायनियर था, संसार से अंधकार को मिटाने वाला और सबका मार्गदर्शक था। यदि हमारे में श्रेष्ठता नहीं होती तो आज भी यूरोप और अमेरिका से दार्शनिक आदि सत्य की खोज में भारत क्यों आते? यह भूमि ही ऐसी विशिष्ट है। लेकिन उसकी दुर्गति कैसे हुई? उसका मुख्य कारण है कि हम एक हजार वर्ष तक बर्बर जातियों के गुलाम रहे। इससे हममें हीनभावना आ गई। पाश्चात्य षड्यंत्र और अपसंस्कृति के प्रभाव के कारण हमारी शिक्षण पद्धति भी विकृत हो गई है। इस दुर्गति से भारतवर्ष को बाहर लाने का दायित्व क्षत्रिय का है और संसार को दुर्गति की ओर बढ़ने से रोकने का दायित्व भारतवर्ष का है, जो कभी विश्वगुरु की भूमिका में था। यदि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाना है तो ईशोपनिषद के प्रथम श्लोक - 'ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां जगत्। तेन त्यक्तेन भुञ्जीथा मा गृधः कस्यस्विद्धनम्।।' के संदेश को समझ कर उसका पालन करना होगा। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

रजपूती की छाप आप छोड़ सकते हैं, वह छोड़ें: संरक्षक श्री

आप सांसद, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक आज आये हैं तो यह चिंतन होना चाहिए कि आप क्या कर सकते हैं। हमारे जनप्रतिनिधि एक अलग छाप समाज पर छोड़ते हैं, जीतें या नहीं जीते लेकिन जनप्रतिनिधि के रूप में उनका व्यक्तित्व राजपूती का प्रतीक होना चाहिए और इसीलिए मेरा तो आग्रह है कि आपको अवसर मिला है, अनेक लोगों ने आपको जनप्रतिनिधि के रूप में स्वीकार कर नेतृत्व का अवसर दिया है तो आप रजपूती की छाप छोड़ सकते हैं और आपको छोड़नी ही चाहिए। हमारे पूर्वजों द्वारा जो मयार्दाएं पालन की गई, नैतिकता और चरित्र के जो प्रतिमान स्थापित किए गये उनको हमें नहीं भुलाना चाहिए, ऐसा मेरा मत है। मैं आप सबका आभारी हूं कि आप सब समाज कार्य में हमारा सहयोग करते हैं। श्री प्रताप फाउंडेशन के केन्द्रीय कार्यालय 'संघशक्ति' में 2 मार्च 2023 को आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर ने उपरोक्त बात कही। उन्होंने कहा कि संघ चरित्र निर्माण व संस्कारों की बात करता है, उसके लिए काम करता है और इसीलिए आपसे भी अपेक्षा करता है कि आप भी चरित्र और संस्कारों के रक्षण में सहयोग करें। बैठक में राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष श्री राजेंद्र राठौड़, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं श्री माधोपुर विधायक श्री दीपेन्द्र सिंह शेखावत, ऊर्जा मंत्री श्री भँवर सिंह भाटी, जयपुर ग्रामीण सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, राजसमंद सांसद श्रीमती दिया कुमारी, आरटीडीसी चेयरमैन श्री धर्मेंद्र राठौड़, वरिष्ठजन कल्याण बोर्ड अध्यक्ष व पूर्व सांसद श्री गोपाल सिंह ईडवा, बाली विधायक एवं पूर्व मंत्री पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

शक्तिधाम (सुरेंद्रनगर) में विशेष शिविर संपन्न

गुजरात के सुरेंद्रनगर स्थित शक्तिधाम कार्यालय में श्री क्षत्रिय युवक संघ का तीन दिवसीय विशेष शिविर माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के सान्निध्य में 11 से 13 मार्च तक आयोजित हुआ। माननीय संरक्षक श्री ने स्वयंसेवकों से चर्चा करते हुए कहा कि संघ में हमको अपनी प्रगति की समीक्षा करनी है तो आत्मचिंतन करें कि संघ ने हमसे जो अपेक्षा, जो उम्मीद की है उस पर हम कितने खरे उतरे हैं? हम संघमार्ग पर गतिमान हैं या केवल कदमताल कर रहे हैं? संघ-साधना में गति लाने के लिए, उसमें प्राण डालने के लिए संघ में निरंतर आना आवश्यक है। निरंतर आते रहने से ही संघ की स्मृति बनी रहेगी और स्मृति बनी रहने से ही सक्रियता आएगी। यदि हमारी कोई समस्या है जिसके कारण हम संघ में नहीं आ पाते हैं तो उसकी भी जानकारी संघ को होनी चाहिए क्योंकि यह हमारा परिवार है। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

समाज ही है संघ का उपासना मार्गः संघप्रमुख श्री

कौम की वंदना करने के अनेक परंपरागत तरीके हैं लेकिन पूज्य तनसिंह जी ने कौम की वंदना का मार्ग श्री क्षत्रिय युवक संघ के रूप में बताया है जो व्यष्टि से समष्टि और समष्टि से परमेष्टि तक पहुंचने का मार्ग है। इस मार्ग पर हम सब चलें, इसी उद्देश्य से संघ विभिन्न बहानों से आपको इकट्ठा करता है जैसे आज इस होली स्नेहमिलन के बहाने से आपको बुलाया गया है। समाज ही श्री क्षत्रिय युवक संघ का उपासना का मार्ग है, यही संघ की साधना है। हम अपने लिए, अपने परिवार के लिए बहुत कुछ करते हैं, लेकिन हम समाज के लिए किस प्रकार उपयोगी हो सकते हैं, यह संघ सिखाता है। समाज की सेवा से ही परमेष्टि तक पहुंचने का मार्ग मिलता है। गीता में बताया गया है कि श्रेष्ठ लोग जिस

प्रकार का आचरण करते हैं, वैसा ही आचरण संसार करता है। हम अपने आपको यदि श्रेष्ठ मानते हैं तो वैसा ही आचरण भी हमें करना पड़ेगा। श्रेष्ठ आचरण वही है जिसमें सभी का हित हो। उपर्युक्त बात माननीय संघ प्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने 9 मार्च को बेणेश्वर (डूंगरपुर) में आयोजित होली स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से आपको अगले वर्ष होने वाले शताब्दी समारोह के लिए निमंत्रित किया जा रहा है। संघ को आपके आने में कोई संदेह नहीं है। संघ ने जब-जब आपको निमंत्रण दिया है, आपको बुलाया है, आप अपेक्षा से अधिक संख्या में आते हैं। इसका अर्थ है कि हम एकत्रित होना सीख गए हैं और यही लोकतंत्र है। **(शेष पृष्ठ 4 पर)**

विभिन्न स्थानों पर हुआ होली स्नेहमिलनों का आयोजन

मुंबई

बीकानेर

रंगों के त्यौहार होली के उपलक्ष्य में विभिन्न स्थानों पर स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं द्वारा स्नेहमिलन आयोजित किए गए। 6 मार्च को बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह रोलसाहबसर के सान्निध्य में होलिका दहन एवं होली स्नेहमिलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें शहर में रहने वाले स्वयंसेवक सपरिवार सम्मिलित हुए। माननीय संरक्षक श्री ने त्यौहार का महत्त्व बताया और कहा कि त्यौहार हमारी संस्कृति की धरोहर है, जिसको हमें जीवित रखना होगा। होली का त्यौहार हमें याद दिलाता है कि अन्याय की कभी जीत नहीं होती, इसलिए अन्याय के नहीं न्याय के पक्ष में रहें। उन्होंने कहा कि हम सभी भक्त प्रहलाद की भांति ईश्वर के प्रति समर्पित होकर संसार से बुराई का अंत करने में सहयोगी बनें तो ही हमारा होली मनाना सार्थक होगा। वरिष्ठ स्वयंसेवक नरपत सिंह चिराणा, केंद्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह रानीगांव, संभाग प्रमुख महिपाल सिंह चूली सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। प्रांत प्रमुख छगन सिंह लुणु ने कार्यक्रम का संचालन किया। अगले दिन आश्रम में माननीय संरक्षक श्री के सान्निध्य में धुलंडी भी मनाई गई। 4 मार्च को मुंबई में दुर्गा महिला शाखा भायंदर द्वारा इंद्रलोक, भायंदर में मातृशक्ति होली स्नेहमिलन कार्यक्रम रखा गया। 4-5 मार्च को बीकानेर स्थित संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में दो दिवसीय होली स्नेहमिलन का आयोजन हुआ जिसमें परिचय, चर्चा, खेल, सामूहिक यज्ञ आदि विभिन्न गतिविधियों के अतिरिक्त स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर एवं चंग की थाप पर नृत्य कर होली मनाई। संभाग प्रमुख रेवंतसिंह जाखासर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। गुलाबसिंह आशापुरा ने वर्तमान समय मे संघ व संगठन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। बीकानेर प्रान्त प्रमुख राजेन्द्र सिंह आलसर ने आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर के लिए पात्र स्वयंसेवकों से संपर्क एवं पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष की कार्य योजना के संबंध में चर्चा की। 6 मार्च को मां सा मोती कंवर जी शाखा श्री नारायण निकेतन, बीकानेर में बालिकाओं द्वारा होली स्नेहमिलन रखा गया जिसमें शाखा प्रमुख भावना कंवर खिंदासर, रीतू कंवर आलसर व संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक बलवंत सिंह महणसर उपस्थित रहे। सीकर में भी 5 मार्च को स्वयंसेवकों का स्नेहमिलन आयोजित हुआ। केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा की उपस्थिति में संपन्न कार्यक्रम में 26 फरवरी को सीकर में आयोजित हुए किसान सम्मेलन की समीक्षा की गई। बैठक में किसान सम्मेलन के प्रभाव, उसके संबंध में विभिन्न समाजों की ओर से आ रही प्रतिक्रियाओं, कार्यक्रम की तैयारियों में आई चुनौतियों आदि के संबंध में चर्चा की गई। 7 मार्च को मुंबई प्रांत में विभिन्न स्थानों पर होली स्नेहमिलन शाखा स्तर पर आयोजित किए गए। नारायण शाखा भायंदर में आयोजित कार्यक्रम में प्रांत प्रमुख रणजीत सिंह आलासण सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। जयमल फत्ता शाखा बोरीवली, कल्ला रायमलोत शाखा कल्याण, वीर दुर्गादास शाखा मलाड, पृथ्वीराज शाखा तुर्भे, खारघर नवी मुंबई और तनेराज शाखा गिरगांव चौपाटी में भी कार्यक्रम आयोजित हुए जिनमें सैकड़ों स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं ने उपस्थित रहकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। सूरत प्रांत में सूरत शहर स्थित वीर अभिमन्यु उद्यान में 7 मार्च को पद्मिनी शाखा द्वारा मातृशक्ति होली स्नेहमिलन समारोह का कार्यक्रम रखा गया। प्रियंका कंवर चांदेसरा ने होली का महत्व बताते हुए कहा कि होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। अच्छाई को धारण करने के कारण ही प्रहलाद की भक्ति के आगे होलिका को मिला वरदान भी बौना साबित हुआ। प्रांत प्रमुख खेत सिंह चांदेसरा ने कहा कि हमें भी प्रहलाद की ही तरह अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ रहना है। यदि हम ऐसा करेंगे तो हम पर भी भगवान की कृपा बरसेगी। कार्यक्रम में मातृशक्ति ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली का त्यौहार मनाया, अल्पाहार किया एवं सभी को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन सरोज कंवर देणोक ने किया। 8 मार्च को अभिमन्यु उद्यान में ही बालकों की सामूहिक शाखा आयोजित करके रंगोत्सव मनाया गया। बाबू सिंह रेवाड़ा व विक्रम सिंह आकोली ने होली के पौराणिक महत्व के बारे में बताया। विक्रम सिंह आकोली ने प्रहलाद की भक्ति के बारे में बताते हुए उनसे प्रेरणा लेने बात कही। प्रांत प्रमुख श्री खेत सिंह चांदेसरा ने कहा कि उन्होंने पूज्य श्री तन सिंह जी जन्म शताब्दी समारोह के बारे में भी जानकारी प्रदान की और बताया कि जन्म शताब्दी वर्ष के तहत संपूर्ण भारत में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिनमें हम सभी को सहभागिता निभानी है और पूज्य तनसिंह जी के संदेश को घर-घर तक पहुंचाना है। केतन सिंह चलथान ने भी अपने विचार रखे। जयपुर में गोकुलपुरा स्थित हनुमंत नगर के आरएलटी होटल में दुर्गादास शाखा द्वारा होली स्नेहमिलन व धमाल का आयोजन किया गया जिसमें शाखा के स्वयंसेवकों के अलावा स्थानीय समाजबंधुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रांत प्रमुख सुधीर सिंह ठाकरीयावास ने किया। संभाग प्रमुख राजेंद्र सिंह बोबासर ने होली पर्व के महत्व के बारे में बताया, साथ ही श्री क्षत्रिय युवक संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। अनेकों समाजबंधुओं ने गुलाल लगाकर व सहगीतों के साथ नृत्य कर उत्सव मनाया। कार्यक्रम की व्यवस्था आरएलटी होटल के मनोहर सिंह गुढा साल्ट ने की। पुणे प्रांत की दुर्गामाता शाखा में भी होली मनाई गई। भोजराज की ढाणी में भी स्वयंसेवकों ने शाखा स्तर पर होली मनाई।

जयपुर

भांयदर

सूरत

जयपुर संभाग का होली स्नेहमिलन संपन्न: श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर संभाग का होली स्नेह मिलन 12 मार्च को वी के आई एरिया सीकर रोड जयपुर में आयोजित हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि होली हमारे वर्ष का अंतिम त्यौहार है। हमारी संस्कृति में हम जितने भी त्यौहार मनाते हैं, उनके पीछे कोई न कोई महत्त्वपूर्ण शिक्षा छिपी है। उस शिक्षा को समझ कर हमें उसी के अनुसार अपने जीवन में परिवर्तन भी लाना चाहिए तभी इन त्यौहारों को मनाना सार्थक है। हमें किसी भी प्रकार के समारोह, चाहे वह पारिवारिक हो अथवा सामाजिक, में व्यर्थ के खर्चों एवं दिखावों से बचना चाहिए। जब तक हम गलत परंपराओं से दूर नहीं होंगे, तब तक श्रेष्ठ समाज का निर्माण नहीं हो सकेगा। यशवीर कंवर बैण्याकाबास ने कहा कि संघ का कार्य यदि हम निष्काम भाव से करते हैं तो जीवन में प्रेम और शांति का आगमन होता है। उन्होंने मातृशक्ति शिविरों में होने वाली गतिविधियों के बारे में बताते हुए उपस्थित बालिकाओं से शिविर में आने की बात कही। संतोष कंवर सिसरवादा ने जयपुर में होने वाले आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर की जानकारी दी और पूज्य तनसिंह जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों के बारे में भी बताया। राम सिंह अकदडा ने संघ व पूज्य तनसिंह जी का परिचय दिया। मनोहर सिंह जालिमसिंह का बास ने हमारे इतिहास और संस्कारों की जानकारी दी। दयाल सिंह श्यामपुरा, सुरेंद्र सिंह दादिया, विजय सिंह भाटी आदि ने भी अपने विचार रखे। सुधीर सिंह ठाकरियावास, प्रवीण सिंह विजयपुरा सहित अनेकों स्वयंसेवक व सहयोगी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा में चयनित हुई समाज की प्रतिभाएं

मध्यप्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षा के हाल ही में घोषित हुए परिणामों में राजपूत समाज की अनेक प्रतिभाओं ने सफलता प्राप्त की है। सृष्टि कुशवाह, ऋतंभरा बुंदेला, दीक्षा सिंह, हर्षिता सिंह, नेहा परिहार, रिया सिंह, विकास ठाकुर और क्षितिज शैलेन्द्र पंवार ने यह परीक्षा उत्तीर्ण की है। इन युवाओं ने अपनी इस सफलता से परिजनों और समाजबंधुओं को गौरवान्वित किया है।

इस युग के महान चिंतक हैं पूज्य तनसिंह जीः संघप्रमुख श्री

पूज्य तनसिंह जी इस युग के एक महान चिंतक हैं। उनके हृदय में मात्र 20 वर्ष की आयु में समाज के प्रति पीड़ा जागृत हुई। विपरीत परिस्थितियों और कष्ट पूर्ण जीवन पूज्य तनसिंह जी ने जिया। ऐसा जीवन जीने वालों को जो अनुभव प्राप्त होते हैं उनसे उनमें विचार और चिंतन जागृत होता है, उसी चिंतन से पीड़ा का जन्म होता है। पूज्य तनसिंह जी ने अपने इतिहास और दर्शन को पढ़ा, अपनी सनातन संस्कृति के सार को जाना और उसके आधार पर चिंतन प्रारंभ किया। उन्होंने समाज के इतिहास और वर्तमान स्वरूप को देखा और विचार किया कि मेरे समाज का वह तेज कहां गया जिसके सामने अन्याय को सिर उठाने का साहस नहीं होता था? हमारा वह धैर्य कहां गया जिसने दुगार्दास और महाराणा प्रताप के संघर्ष को पनपाया? हमारा देने का भाव, हमारा त्याग कहां गया और सबसे बढ़कर वह ईश्वरीय भाव, जो हमारे पूर्वजों में था, वह कहां लुप्त हो गया? पूज्य तनसिंह जी ने देखा कि समाज में अनेक विकार आ गए हैं। ऐसे महान समाज की यह पतन की स्थिति देखकर और उसके बारे में चिंतन कर उनकी पीड़ा जगी। जो ऐसे चिंतनशील और चेतन व्यक्ति होते हैं, वही समाज के मार्गदर्शक बन पाते हैं। इसी चिंतन और पीड़ा को लेकर पूज्यश्री ने संघ की स्थापना की, जिससे यह चिंतन और पीड़ा पूरे समाज में प्रसारित हो सके। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण

सिंह बैण्याकाबास ने कुम्भा सभागार, बी एन यूनिवर्सिटी, उदयपुर में 10 मार्च को आयोजित स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि एक साथ बैठने और एक साथ सोचने का हमें अभ्यास हो, इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा ऐसे स्नेहमिलन आयोजित किए जाते हैं। हम सोचना शुरू करेंगे तो कुछ ना कुछ निष्कर्ष भी निकलेगा और उसके अनुरूप कार्य भी होगा। परिवार, जाति, धर्म और राष्ट्र आदि किसी भी बंधन से क्षत्रियत्व की सीमा नहीं बंधती। प्राणीमात्र को अपना मान कर उनके लिए जीवन जीने का भाव ईश्वरीय भाव है। यह ईश्वरीय भाव ही क्षत्रियत्व की कसौटी है। सबके साथ समान भाव रखने वाला ही सच्चा क्षत्रिय है। हम अपने आप को क्षत्रिय कहते हैं, लेकिन क्षत्रिय वह है जो क्षय होने से बचाए। क्या हम ऐसा कर पा रहे हैं? आज क्षत्रियत्व का शिक्षण देने वाली कोई पाठशाला नहीं है। संघ वह काम कर रहा है। श्री क्षत्रिय युवक संघ केवल महापुरुषों के गुणगान और प्रशंसा से संतुष्ट नहीं होता, बल्कि वह ऐसे महापुरुषों के निर्माण का कार्य करता है। संघ प्रताप, दुगार्दास व हाड़ी रानी जैसे व्यक्तित्व समाज में तैयार करना चाहता है। संघ क्षत्रियत्व की चिंगारी को बचाने का प्रयास कर रहा है। हम उस सूर्योदय का इंतजार कर रहे हैं जो संसार में क्षत्रियत्व का प्रकाश फैला दे। संघ का कार्य उसी सूर्योदय की भूमिका है। संघप्रमुख श्री ने आगे कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य हथेली पर सरसों उगाने का कार्य नहीं है। यह धैर्य और निरंतरता के साथ किया जाने वाला कार्य है। पूज्य श्री तनसिंह जी कहते थे कि संघ के स्वयंसेवक में इतनी योग्यता होनी चाहिए कि वह राष्ट्रपति से लेकर चपरासी तक के संपूर्ण दायित्वों को पूर्ण कुशलता से निभा सके। स्वयं पूज्य श्री तनसिंह जी ने प्रत्येक क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त की और आदर्श स्वयंसेवक के गुणों को अपने आचरण से हमें बताया। संघ की साधना ऐसी है जो नियमित रूप से की जाए तो निश्चित रूप से फलीभूत होती है। इसीलिए नियमितता और निरंतरता को अपने स्वभाव का अंग बनाकर कार्य करें। मेवाड़-मालवा सम्भाग प्रमुख बृजराजसिंह खारड़ा ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय देते हुए कार्यक्रम की भूमिका बताई। पूर्व विधायक रणधीर सिंह भींडर ने कहा कि आज से 10 वर्ष पूर्व इस क्षेत्र में संघ का अपेक्षित कार्य नहीं हो रहा था लेकिन अब लोग जागृत हो रहे हैं और संगठित होने के महत्त्व को समझ रहे हैं। इसलिए संघ का कार्य क्षेत्र में तीव्रता से बढ़ रहा है। हम आपस में मिलना और बैठना सीख रहे हैं, यह बड़ी उपलब्धि है। महेन्द्र सिंह आगरिया ने कहा कि पूज्य तनसिंह जी ने समाज के लिए जो स्वप्न देखा उसे पूरा करने के लिए हम सब मिलकर प्रयास करें। आपसी सहयोग और प्रेमभाव से हम उनके दिखाए मार्ग पर चलें, यह हमारा दायित्व है। कार्यक्रम का संचालन मेवाड़-वागड़ सम्भाग प्रमुख भंवरसिंह बेमला ने किया। कार्यक्रम में पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष को लेकर उदयपुर-राजसमंद प्रान्त में पूरे वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों की रुप रेखा भी प्रस्तुत की गई।

सीयूईटी-यूजी 2023 के लिए वेबिनार का आयोजन

देश के सभी केंद्रीय विश्विद्यालयों यथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में कक्षा 12वीं के बाद स्नातक स्तरीय प्रवेश परीक्षा सीयूईटी-यूजी (कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट) 2023 के संबंध में समाज के विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन 5 मार्च को हुआ जिसका प्रसारण फाउंडेशन के फेसबुक पेज व यूट्यूब चैनल पर किया गया। वेबिनार में इन संस्थानों मे अध्ययनरत स्वजातीय छात्रों के सहयोग से सीयूईटी-23 की आधारभूत जानकारी प्रदान की गई एवं विद्यार्थियों को प्रोत्साहन और आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय अध्ययनरत श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक महेंद्र सिंह सेखाला ने प्रवेश परीक्षा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा 2020 में लाई गई नई शिक्षा नीति के अंतर्गत देश के सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए कॉमन परीक्षा के आयोजन का प्रावधान किया गया, जिसका नाम सीयूईटी रखा गया। 44 केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त कई प्रतिष्ठित निजी उच्च शिक्षण संस्थानों

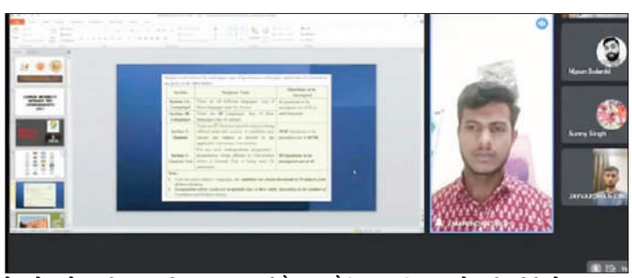

में प्रवेश हेतु भी यह परीक्षा महत्वपूर्ण है। उन्होंने आवेदन की तिथि, आवेदन प्रक्रिया एवं पात्रता के बारे में जानकारी दी। परीक्षा पद्धति, भाषा माध्यम के बारे में भी बताया। उन्होंने पात्र युवाओं से केंद्रीय ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र बनवाने का निवेदन करते हुए अधिकतम साथियों से आवेदन करने एवं सफल होकर देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के खुरजा निवासी निपुण सोलंकी ने जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में अध्ययन के अपने अनुभव के बारे में बताया और कहा कि यह अध्ययन के लिए एक श्रेष्ठ संस्थान है और NIRF रैंकिंग में इसका देश में तीसरा स्थान है। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से 100 वर्ष पुराने इस संस्थान में उपलब्ध कोर्सेज, सुविधाओं आदि की विस्तृत जानकारी दी। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी में अध्ययनरत बलरामपुर (उत्तर प्रदेश) निवासी सनी सिंह ने कहा कि देश के शैक्षिक परिदृश्य में सीयूईटी के कारण काफी परिवर्तन आ गया है। समाज के युवाओं को इस परिवर्तन के साथ समायोजन के लिए वांछित जानकारी और प्रेरणा देने की आवश्यकता है और उसके लिए ऐसी और वेबिनार के आयोजन किए जाने चाहिए। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में उपलब्ध अध्ययन के अवसरों और वहां के वातावरण के बारे में बताया। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज में अध्ययनरत बीकानेर निवासी जयवर्धन सिंह राठौड़ ने दिल्ली विश्वविद्यालय में उपलब्ध फैकल्टी, कोर्सेज और उसके अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों की जानकारी दी। उन्होंने महाविद्यालयों में उपलब्ध छात्रावासों की व्यवस्था के बारे में भी बताया। वक्ताओं द्वारा सीयूईटी के पाठ्यक्रम और तैयारी में ध्यान रखने योग्य बातों की भी जानकारी दी। दिग्विजय सिंह कोलीवाडा ने वेबिनार का संचालन किया।

श्रेष्ठ जनों का आगे आना है समय की मांगः संघप्रमुख श्री

किसी को प्रेरित करना हो तो केवल प्रवचन, उपदेश आदि से संभव नहीं है, उसके लिए स्वयं को प्रेरक बनना होगा और स्वयं उस राह पर चलना होगा जिस पर दूसरों को चलाना चाहते हैं। जो व्यक्ति नेतृत्व करता है उसके व्यवहार में शुचिता होनी ही चाहिए। श्रेष्ठ जनों को आगे आना चाहिए, यह समय की मांग है। श्रेष्ठ व्यक्ति अपने आचरण से बहुत बड़ा कार्य करने में सक्षम होते हैं, उन्हें भाषण, प्रवचन आदि देने की आवश्यकता नहीं होती है। पूज्य तनसिंह जी ने कहा है कि किए बिना कुछ होता नहीं तथा दिए बिना कुछ मिलता नहीं। इसलिए बदलाव की शुरूआत स्वयं से करें। मृत्यु भोज जैसी जो सामाजिक बुराइयां हैं उनको दूर करने के लिए भी स्वयं को ही आगे आना होगा। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने 12 मार्च को नागौर जिले के बनवासा गांव स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बनवासा में पूर्व में एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर तथा 2014 में उच्च प्रशिक्षण शिविर लग चुका है। इसलिए यह स्थान हमारे लिए तीर्थ स्थान है, प्रेरणादायक है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक प्रेम सिंह बनवासा व उनके भाईयों द्वारा अपने माता-पिता की पुण्य स्मृति में स्थानीय विद्यालय में कक्षा-कक्ष का निर्माण करके समर्पित किया गया जिसके लोकार्पण के अवसर पर समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को भाजपा के केन्द्रीय चुनाव समिति के सदस्य ओम प्रकाश माथुर, मान सिंह किनसरिया (पूर्व विधायक), मनोहर सिंह लाडनूं (पूर्व विधायक), जितेंद्र सिंह सांवराद (भाजपा नेता), रूपा राम मुरावतिया (मकराना विधायक) एवं भागीरथ चौधरी (जिला प्रमुख नागौर) ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के प्रारंभ होने से पहले विद्यालय के मुख्य द्वार के निर्माण हेतु शिलान्यास माननीय संघ प्रमुख श्री एवं श्री ओम प्रकाश माथुर द्वारा किया गया। प्रेम सिंह बनवासा ने पधारे हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सर्व-समाज के लोग उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के नागौर संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

हर्षवर्द्धन सिंह को राष्ट्रपति की ओर से शुभकामनाएं

सेना में आंतरिक सुरक्षा सलाहकार हर्षवर्द्धन सिंह शेखावत को राष्ट्रपति महोदया द्रौपदी मुर्मू की ओर से शुभकामनाएं एवं प्रोत्साहन पत्र प्राप्त हुआ है। आनसिंह की ढाणी हरदासकाबास निवासी हर्षवर्द्धन सिंह ने कुछ समय पूर्व रोमानिया के ब्रासोव में आयोजित इंटर सर्विस एयर गन चैंपियनशिप 2022 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अलग अलग इवेंट में एक स्वर्ण व एक कांस्य पदक जीता था।

संपादकीय

हमारे विरुद्ध 'मीडिया ट्रायल' और प्रतिरोध का उपाय

देश में बहुचर्चित हुए अथवा कहें कि बहुचर्चित बनाए गए हाथरस कांड में 28 महीनों बाद उत्तरप्रदेश के विशेष न्यायालय (अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम) के द्वारा निर्णय सुनाया गया जिसमें चार में से तीन अभियुक्तों को दोषमुक्त किया गया एवं एक अभियुक्त को उम्र कैद की सजा गैर इरादतन हत्या और अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत सुनाई गई। अदालत ने दुष्कर्म अथवा सामूहिक दुष्कर्म के सभी आरोपों को गलत ठहराया, साथ ही घटना के 'राजनीतिक रूप लेने' की भी बात कही। साथ ही अदालत द्वारा यह तथ्य भी संज्ञान में लिया गया कि मृतका और उसके परिजनों के प्रारंभिक बयान और राजनैतिक लोगों के वहां पहुंचकर उनसे मिलने के बाद के बयानों में बहुत अंतर पाया गया। मृतका युवती एवं आरोपी युवक के बीच 105 बार फोन पर बात होने के प्रमाण मिले, साथ ही मृतका के परिजनों द्वारा इस बात को लेकर मृतका के साथ मारपीट की बात भी सामने आई। इन आधारों पर अदालत ने इसे प्रेम संबंध का मामला माना। यद्यपि यहां यह प्रश्न अवश्य उठता है कि जब मामला प्रेम संबंध और इसके कारण हुए आपसी विवाद का पाया गया तो इसमें अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत सजा किस आधार पर सुनाई गई, किंतु वह एक विधिक प्रश्न है जिसके समाधान के लिए संबद्ध व्यक्तियों द्वारा विधिक प्रक्रिया के तहत प्रयास किए जाने चाहिए।

लेकिन न्यायालय के इस निर्णय के बाद सबसे बड़ा प्रश्न जो उठाया जाना चाहिए, वह है इस घटना के बाद जातिगत घृणा फैलाने के एजेंडे के तहत आरोपियों को माध्यम बनाकर हमारे समाज के विरुद्ध चलाए गए 'मीडिया ट्रायल' का। एक सामान्य आपराधिक घटना में राजनेताओं द्वारा अपने जातीय ध्रुवीकरण के एजेंडे को लागू करने के उद्देश्य से उस घटना को जातीय रंग दिया गया और लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कहे जाने वाले मीडिया ने उन राजनैतिक तत्वों के मोहरे के रूप में काम करते हुए इस घटना को ठाकुर बनाम दलित विवाद बनाकर पूरे देश में राजपूत जाति को बदनाम करने की अपनी मानसिकता को फिर से उजागर किया। यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश का मीडिया सामाजिक सौहार्द और सद्भावना को बनाए रखने में सहयोगी होने के बजाय घृणा और द्वेष की राजनीति करने वाली ताकतों का साधन बनकर कार्य कर रहा है। जिस मीडिया पर किसी भी घटना की तथ्यपूर्ण रिपोर्टिंग करने की जिम्मेदारी है, उस मीडिया ने हाथरस की घटना पर न केवल तथ्यों की मनमानी व्याख्या करते हुए उन्हें तोड़ मरोड़ कर पेश किया बल्कि बिना जांच और बिना उचित विधिक प्रक्रिया के स्वयं ही न्यायाधीश बनकर आरोपितों को दोषी भी घोषित कर दिया। जहां लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका की गतिविधियों पर निगरानी रखने और दर्पण की तरह समाज को उसकी वास्तविक छवि दिखाने की होनी चाहिए, वहां आज दायित्वबोध का अभाव, व्यावसायिक हितों की प्राथमिकता और अपरिपक्व प्रस्तुतिकरण ही भारतीय मीडिया की पहचान बनती जा रही है। आज के मीडिया प्रतिनिधि यह बात समझने का प्रयास भी करते हुए दिखाई नहीं देते कि तथ्यों की वास्तविक महत्ता उनकी निरपेक्षता में ही है। तथ्य तभी तक तथ्य है, जब तक कि उसकी व्याख्या ना की जाए। व्याख्या में व्याख्याकर्त्ता के दृष्टिकोण की सापेक्षता निहित होती है और इसीलिए व्याख्या के साथ ही तथ्य अपना स्वरूप खोकर मत बन जाते हैं। निश्चित रूप से मीडिया कर्मियों को भी अपना मत रखने का अधिकार है, लेकिन कम से कम उनसे इतनी ईमानदारी की अपेक्षा तो की ही जा सकती है कि वे अपने मत को मत के रूप में ही रखें न कि अपने मत को तथ्य के रूप में पेश करके जनमानस को भ्रमित करें। यह भी विचारणीय है कि आज के समय में मीडिया जनमानस को प्रभावित करने वाला एक मुख्य साधन है और इस रूप में उसकी सामर्थ्य बहुत अधिक है। लेकिन इस सामर्थ्य के साथ जो दायित्व बोध जुड़ा होना चाहिए, उसका स्थान व्यावसायिक होड़ और बौद्धिक पक्षपात ने ले लिया है। हाथरस घटना को लेकर देश के मीडिया के व्यवहार ने उसकी इन विकृतियों को एक बार पुनः अनावृत किया है।

इसके अतिरिक्त हाथरस की घटना से यह बात भी फिर से उभरकर प्रकट हुई है कि किस प्रकार हमारे समाज के विरुद्ध स्वार्थी एवं कुंठित तत्वों द्वारा जनमानस में जहर भरने का प्रयास निरंतर जारी है। राष्ट्र और समाज बहुत विशाल है और इसमें छिटपुट आपराधिक घटनाएं अथवा दुर्घटनाएं होनी स्वाभाविक है। लेकिन जिस प्रकार से ऐसी अनेकों घटनाओं पर मौन रहने वाले समूह हमारे समाज का किसी घटना में नाम आने मात्र पर बिना आरोपों की प्रामाणिकता को जांचे ही किस प्रकार मुखर और सक्रिय होकर सभी को हमारे विरुद्ध लामबंद करने का प्रयास करते हैं, वह दुःखद, निंदनीय और चिंतनीय है। चाहे हाथरस की घटना हो, सुराणा प्रकरण हो, चाहे किसी दलित को घोड़ी से उतारने का कोई प्रकरण हो, हमारे विरुद्ध योजनाबद्ध रूप से माहौल बनाने के षड्यंत्र किए जाते हैं। यद्यपि हमारी सभ्य समाज की पहचान, पीढ़ियों से सभी जातियों व धर्मों के लोगों के साथ हमारे सहज संबंध, न्याय और सत्य के साथ खड़े होने की हमारे रक्त की तासीर के कारण ये षड्यंत्र सफल नहीं हो पाए हैं, लेकिन इस बात पर हमें चिंतन अवश्य करना चाहिए कि हमारे विरोधी तत्व निरंतर सामान्य जनमानस को प्रभावित करने वाले वर्तमान युगीन साधनों पर कब्जा करके हमारे विरुद्ध दुष्प्रचार कर रहे हैं। इस दुष्प्रचार का प्रतिरोध करना भी आज समाज की महत्ती आवश्यकता है और इसका श्रेष्ठ तरीका यह है कि हम अभिव्यक्ति और सूचनाओं के प्रसारण के वर्तमान युगीन साधनों तक अपनी पहुंच को बढ़ाकर अपनी श्रेष्ठता को प्रकट करें। हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित, रक्षित और पोषित भारतीय जीवन मूल्यों के विरोधी तत्वों द्वारा आज मीडिया माध्यमों पर कब्जा जमा कर हमारे विरुद्ध जो एकपक्षीय 'मीडिया ट्रायल' किया जा रहा है, उसका प्रतिरोध करने के लिए हमें भी इन माध्यमों में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ बनाकर अपने सत्य को इस दुष्प्रचार के विरुद्ध खड़ा करना होगा। हमारे सत्य और हमारी श्रेष्ठता के प्रकटीकरण के सामने विरोधियों का असत्य कभी भी टिक नहीं सकता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ की हीरक जयंती के समय हमारे समाज द्वारा दिखाए गए अनुशासन, संयम और एकता ने जिस प्रकार हमारे विरुद्ध किए जा रहे दशकों के दुष्प्रचार के प्रभाव को एक झटके में तोड़कर सभी के मन में हमारे समाज का सम्मान प्रतिष्ठित करने का कार्य किया, उसी प्रकार के और अधिक उदाहरण हमें जनमानस के सामने रखने हैं, जिससे हमारे समाज का वास्तविक स्वरूप जनमानस के सामने पुनः प्रकट होकर उन्हें भी श्रेष्ठता को धारण करने की प्रेरणा दें। क्षत्रिय के रूप में सभी क्षेत्रों में अपने श्रेष्ठ आचरण से लोगों के प्रेरक व मार्गदर्शक का दायित्व निभाना हमारे क्षात्रधर्म पालन का प्रमुख अंग है।

(पृष्ठ एक का शेष)

समाज ही है...आज राजतंत्र नहीं है, आज लोकतंत्र है और लोकतंत्र में समाज को एकत्रित करने की, संगठित करने की आवश्यकता होती है। श्री क्षत्रिय युवक संघ भी लोकसंग्रह का काम करता है। पिछले 76 वर्षों से हम एकत्रित होने का अभ्यास कर रहे हैं और हम एकत्रित होना, साथ बैठना सीख भी गए हैं, लेकिन इस लोकतंत्र में यदि हम अनुशासन नहीं सीखेंगे तो हम कितनी ही भीड़ इकट्ठी कर लें, परिणाम कुछ भी आने वाला नहीं है। यही संघ हमें सिखाना चाहता है कि हम संगठन तो बनाएं लेकिन वह अनुशासित संगठन हो। जब हम अनुशासित होना सीख जाएंगे तब संख्या का इतना महत्त्व नहीं रह जाएगा। पूज्य तनसिंह जी ने लिखा है- 'चाहे एक ही जले, पूरे स्नेह से जले, ऐसे दीप चाहिए।' एक व्यक्ति यदि अपने संपूर्ण भाव से संघ के काम में लग जाए, समाज के काम में लग जाए, तो फिर किसी प्रकार का आह्वान करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। केवल आह्वान करने से कभी भी समाज में बदलाव नहीं आता है। शताब्दियों से ऐसे प्रयास किए जाते रहे हैं लेकिन कभी भी ऐसा नहीं हुआ है, ना ही आगे कभी ऐसा होने की संभावना है। इसलिए पूज्य तनसिंह जी ने एक ऐसा सांचा बनाया जिसमें से गुजरने पर व्यक्ति स्वयं को निर्मित कर सकता है, अपने आप को बदल सकता है और स्वयं को बदल कर ही पूरी कौम को बदला जा सकता है। बदलाव की यही प्रक्रिया है। पूज्य तनसिंह जी जब चले थे तो अकेले थे लेकिन आज अनेक व्यक्ति उनके मार्ग पर चल रहे हैं। एक से अनेक होने की यह प्रक्रिया ही वास्तविक संगठन है। हनुमंत सिंह सज्जन सिंह का गड़ा के फार्म हाउस पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का परिचय दिया। लक्ष्मी कंवर खारड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ द्वारा आयोजित मातृशक्ति शिविरों के माध्यम से बालिकाओं को संस्कारित करने का जो कार्य हो रहा है, उससे समाज की भावी पीढ़ी को फिर से क्षात्रधर्म पालन के मार्ग पर लाने की भूमिका बन रही है। कार्यक्रम में बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़, चित्तौड़गढ़ जिले के समाजबंधुओं और मातृशक्ति की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। टैंक बहादुर सिंह गेहूंवाड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। संभागप्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा और भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जालौर की संभागीय बैठक संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में संपन्न

जालौर संभाग की अर्द्धवार्षिक समीक्षा एवं कार्ययोजना बैठक 5 मार्च को माननीय संघप्रमुख श्री के सान्निध्य में संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी के निवास पर संपन्न हुई। बैठक में उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि मनुष्य को श्रेष्ठता की ओर बढ़ने के लिए बार-बार कहना पड़ता है, याद दिलाना पड़ता है। यह मानवीय स्वभाव है। दर्पण पर समय के साथ स्वतः ही धूल जम जाती है उसे समय समय पर साफ करना पड़ता है, वह अपने आप साफ नहीं होती। उसी प्रकार मनुष्य में भी गंदगी स्वाभाविक रूप से जमा हो जाती है, इसीलिए निरंतर सफाई आवश्यक है। हम सब भी संघ के स्वयंसेवक हैं, हम पर भी प्रमाद, आलस्य आदि की धूल आ जाती है। यह धूल हटाने के लिए हमारी सामूहिकता ही हमारा साधन है। यद्यपि हमारे व्यक्तिगत प्रयत्न और एकांतिक साधना भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं लेकिन समूह के साथ बने रहने से हमारी सक्रियता जगती है। समूह में रहकर हम सभी एक दूसरे से प्रेरणा प्राप्त करते हैं। पहले से जल रहे अंगारे के संपर्क में आकर नए कोयले का जल उठना सहज हो जाता है। संघ ने सामूहिक प्रणाली को चुना है क्योंकि इस प्रणाली से ही व्यक्ति को निश्चित सांचे में ढाला जा सकता है। उन्होंने कहा कि जो प्रतिदिन अपने लक्ष्य को स्मरण रखता है, उसमें ही कर्मठता आती है। जब भी बीच में अंतराल आ जाता है तो गति रुक जाती है। इसीलिए आवश्यक है कि हम बार-बार मिलते रहें, आपस में संपर्क में रहें, तभी सक्रियता बनी रह सकती है। जो काम किया है उसका विश्लेषण करें और नए लक्ष्य तय करके कर्मरत रहें। संघ के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखना हम पर ही निर्भर करता है, यह हमारा ही दायित्व है। उन्होंने पूज्य श्री तनसिंह जन्म शताब्दी समारोह के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि समारोह को सफल बनाने के लिए हमें और अधिक सक्रिय होना पड़ेगा। हम सक्रिय होंगे तो समाज का सहयोग भी मिलेगा। वास्तव में करने वाला तो संघ ही है, इसीलिए उसी पर परिणामों का सब भार छोड़ दें। हम तो बिना किसी शर्त के संघ का दिया काम करते रहें क्योंकि संघ में कोई शर्त नहीं चलती। अशर्त त्याग ही संघ के चलने का आधार है। जब तक यह त्याग हममें जीवित रहेगा, संघ निरंतर बढ़ता रहेगा। बैठक में संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी एवं सभी प्रांत प्रमुखों ने इस सत्र में हुए संघकार्य की जानकारी संघप्रमुख श्री को दी और सत्र के आगामी समय के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा की। मई माह में जयपुर में होने वाले उच्च प्रशिक्षण शिविर में संभाग से 100 से अधिक संख्या के साथ पहुंचने का दायित्व लिया गया। पूज्य श्री तन सिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त संभाग में होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में भी चर्चा की गई, साथ ही जनवरी 2024 में दिल्ली में आयोजित होने वाले जन्म शताब्दी समारोह की पूर्व तैयारियों हेतु स्वयंसेवकों द्वारा दायित्व भी लिए गए।

सीकर में क्षत्रिय कर्मचारी होली स्नेहमिलन का आयोजन

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में नाथावतपुरा स्थित मीरा विद्यालय में 12 मार्च को राजपूत समाज के कर्मचारियों का होली स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवत सिंह पाटोदा ने कहा कि हम सबके अंतर में समाज के प्रति पीड़ा है लेकिन वह हमारे व्यक्तित्व एवं कृतित्व को आंदोलित नहीं कर पाती इसलिए हम संसार के अन्य कामों में उसे विस्मृत कर देते हैं और वह केवल चर्चा का विषय बनकर रह जाती है। पूज्य तनसिंह जी के भी ऐसी ही पीड़ा थी लेकिन उन्होंने उसे अपने व्यक्तित्व का केन्द्र बनाया और उसके आधार पर समाज के लिए उस पीड़ा से मुक्त होने का मार्ग प्रशस्त किया। श्री क्षत्रिय युवक संघ उस मार्ग का मूर्तरूप है जो विगत 76 वर्षों से लगातार समाज के सामने एक निश्चित ढांचा प्रस्तुत कर रहा है। समाज के विभिन्न वर्गों की ऐसी पीड़ा को जीवित रखते हुए संघ के निर्देशन में उसे दिशा देने के लिए श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन विगत 4 वर्षों से कार्यरत हैं। इसी कड़ी में आज यह कर्मचारी स्नेह मिलन रखा गया है जिससे सीकर के कर्मचारियों के सामाजिक भाव को एक दिशा दी जा सके।

वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी राजेंद्र सिंह आंतरी ने कहा कि आप जहां भी कार्यरत हैं, वहां श्रेष्ठ कार्य करके ही अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं। हम किसी की आलोचना किए बिना जो भी सकारात्मक हो रहा है उसके सहयोगी बनें। राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह

गिराब ने कहा कि हम कर्म क्षेत्र में पूरी क्षमता से कार्य करेंगे तो निःसंदेह अपने कर्तव्य के प्रति न्याय कर पाएंगे और हमारे उस प्रयास से राजपूत समाज के प्रति लोगों की धारणा अच्छी बनेगी। वरिष्ठ आर पी एस रतनसिंह लुणु ने संघ के निर्देशन में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। सेवानिवृत्त आर ए एस सज्जन सिंह चिड़ासरा ने छिद्रान्वेषण से बचते हुए सकारात्मक प्रयास की आवश्यकता जताई। यशवर्धन सिंह झेरली ने श्री प्रताप फाउंडेशन के कार्यों की जानकारी दी। मीरा विद्यालय के संचालक भंवरसिंह नाथावतपुरा ने विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए कर्मचारियों ने भाग लिया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर व फाउंडेशन के स्थानीय सहयोगी सुरेंद्र सिंह तंवरा, रतन सिंह छिंछास, मूल सिंह बरसिंहपुरा, राम सिंह सामी, जय सिंह पलसाना आदि ने संपर्क व व्यवस्था का दायित्व संभाला।

चावंडिया, पाली और फालना में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की बैठकें संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की नावां विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत स्तरीय बैठक चावण्डिया में 5 मार्च को आयोजित की गई। फाउंडेशन की नागौर टीम के सदस्य दीपेन्द्र सिंह पलाड़ा ने उपस्थित समाजबंधुओं को बताया कि श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की स्थापना का उद्देश्य समाज के युवाओं में सकारात्मक भाव का विकास करना और उनकी ऊर्जा का समाज हित में उपयोग करना है। जय सिंह सागु बड़ी ने बताया कि वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था में हमें अधिकतम सहभागिता निभानी है। ये राष्ट्र हमारे पूर्वजों की धरोहर है इसलिए इसके प्रति हमारी जवाबदेही है। इस जवाबदेही को निभाने के लिए हमें लोकतंत्र में मतदान का महत्व समझकर शत-प्रतिशत मतदान करने हेतु सदैव तैयार रहना है। लोकतांत्रिक व्यवस्था का उपयोग राष्ट्रीय हित में करने हेतु हमें सत्ता में भागीदारी बढ़ानी होगी और इसके लिए ग्राम सभा से लेकर संसद तक की सभी संस्थाओं में हमें अपनी उपस्थिति बढ़ानी होगी। कार्यक्रम में चावण्डिया, सुरतपुरा, दौलतपुरा आदि गाँवों से घीसु सिंह, गोपाल सिंह, भगवान सिंह, लाल सिंह, रविंद्रसिंह, दिलीपसिंह, बालसिंह, लक्ष्मण सिंह, औनारसिंह, टंवर सिंह, पन्नेसिंह, विजयसिंह चावण्डिया सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। फाउंडेशन के जिला प्रभारी जब्बर सिंह दौलतपुरा भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। इसी प्रकार फाउंडेशन के पाली जिले के सहयोगियों की बैठक 28 फरवरी को फालना और पाली शहर में संपन्न हुई। बैठकों में नियमित संवाद एवं जिले में फाउंडेशन के आगामी कार्यक्रमों से संबंधित चर्चा हुई।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	उ.प्र.शि. (पुरुष)	18.05.2023 से 29.05.2023 तक	**भवानी निकेतन।** जयपुर 18 मई को प्रातः 8 बजे तक शिविर स्थल पर पहुंचना है। पूर्व में 2 प्रा.प्र.शि. व 1 मा.प्र.शि. किए हुए हों तथा दसवीं की परीक्षा दी हुई हो। पूरा शिविर नहीं करने वाले 23 मई को पूर्व अनुमति लेकर आ सकेंगे। 29 मई से पूर्व जाने की स्वीकृति नहीं होगी। शिविर शुल्क प्रति शिविरार्थी 100 रुपये शिविर में देय होगा। निर्देशिका, झनकार, मेरी साधना व साधना पथ पुस्तकें तथा निर्देशिका में शिविर हेतु वर्णित सामग्री साथ लेकर आनी है। सायंकालीन प्रार्थना की गणवेश धोती, कुर्ता व केशरिया साफा होगी एवं प्रातःकालीन प्रार्थना में संघ की गणवेश अनिवार्य होगी।
02.	मा.प्र.शि. (मातृशक्ति)	23.05.2023 से 29.05.2023 तक	**जयपुर।** **नोटः-** पूर्व में न्यूनतम दो शिविर किए हुए हों। दसवीं की परीक्षा दी हुई हो। शिविर शुल्क प्रति शिविरार्थी 50 रुपये शिविर में देय होगा। निर्देशिका में शिविर हेतु वर्णित सामग्री एवं संघ की गणवेश साथ लेकर आनी है। सायंकालीन प्रार्थना में यथासंभव परंपरागत केशरिया गणवेश लेकर आयें। विवाहित महिलाएं वे ही शामिल हो सकेंगी जिनको आमंत्रित किया जाएगा। बालिकाओं के साथ आने वाले व वापस लेकर जाने वाले स्वयंसेवकों को भी पूर्व अनुमति लेना आवश्यक होगा एवं उनकी भी गणवेश आवश्यक है।

दीपसिंह बैण्यकाबास, शिविर कार्यालय प्रमुख

फार्म-4 (नियम-8)

1. प्रकाशन स्थान	ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर-302 012
2. प्रकाशन अवधि	पाक्षिक
3. मुद्रक का नाम	लक्ष्मणसिंह
नागरिकता	भारतीय
क्या विदेशी है	नहीं
पता	ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर-302 012
4. प्रकाशक का नाम	लक्ष्मणसिंह
नागरिकता	भारतीय
क्या विदेशी है	नहीं
पता	ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर-302 012
5. सम्पादक का नाम	लक्ष्मणसिंह
नागरिकता	भारतीय
क्या विदेशी है	नहीं
पता	ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार व हिस्सेदार हों।	पूर्ण स्वामित्व-श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास ए-8, तारानगर,झोटवाड़ा, जयपुर

मैं एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये गये विवरण सत्य हैं।

लक्ष्मणसिंह
प्रकाशक

01.03.2023

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

डीडवाना में श्री प्रताप फाउंडेशन की बैठक संपन्न

श्री प्रताप फाउंडेशन की डीडवाना विधानसभा क्षेत्र की बैठक 5 मार्च को श्री वीरवर दुगार्दास राजपूत सभा भवन डीडवाना में आयोजित हुई जिसमें डीडवाना विधानसभा क्षेत्र की सभी पंचायतों से समाजबंधु सम्मिलित हुए। बैठक को संबोधित करते हुए श्री

क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेंवत सिंह पाटोदा ने कहा कि हम सब चाहते हैं कि बहुत कुछ होना चाहिए, इसके लिए बड़ी बड़ी सलाह भी देते हैं लेकिन उन छोटी छोटी बातों पर काम करना नहीं चाहते जिनसे हमारी बड़ी बड़ी इच्छाओं और सलाहों को चरितार्थ किया जा सकता है। श्री प्रताप फाउंडेशन ऐसी छोटी बातों से शुरू करता है। राजनीति में हम सब सरपंच, विधायक, सांसद तो हमारा बनाना चाहते हैं लेकिन अपने गांव की मतदाता सूची को जांचना ही नहीं चाहते। उसमें कितने नाम जुड़े, कितने कटे, कौन रह गया आदि विषयों में रूचि नहीं रखते, श्री प्रताप फाउंडेशन हमारी इसी अरूचि को दूर करना चाहता है क्योंकि इसके बिना लोकतंत्र में भागीदारी का प्रारंभ ही नहीं होता है। हमारे जो परिवार शहरों में रहते हैं वे शहरों में अपना नाम नहीं लिखवाते और गांवों में उनके नाम काट दिए जाते हैं, ऐसे में ऐसा भी हो सकता है कि उनका कहीं नाम ना हो। ये सभी बातें हमारे लिए विचारणीय हैं और केवल विचारणीय ही नहीं बल्कि करणीय भी है, इन्हीं विचारणीय और करणीय कामों की बात श्री प्रताप फाउंडेशन करता है। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी जितेन्द्र सिंह जोधा ने बताया कि हम सभी को लोकतंत्र के उत्सव में पूर्ण मनोयोग से सहभागिता निभाते हुए शत प्रतिशत मतदान करना होगा। मतदान को प्राथमिकता देकर ही इस व्यवस्था में हम राष्ट्र के लिए उपयोगी बन सकेंगे और भारतीयता के भाव को जीवित रख पायेंगे। श्याम प्रताप सिंह रूवां ने कहा कि क्षत्रिय सदा से ही सभी वर्गों व जातियों को साथ में लेकर चलने वाले रहे हैं और हमें इस परम्परा को वर्तमान में भी बनाए रखना है। इसके लिए हमें सभी के सुख-दुख में सहभागी बनकर अपने कर्त्तव्य को निभाना है। श्री प्रताप फाउंडेशन इसी राष्ट्रीयता और मानवता के भाव को हम सब में विकसित कर रहा है। जय सिंह सागु बड़ी ने श्री प्रताप फाउंडेशन की स्थापना व इसके उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। श्री क्षत्रिय युवक संघ के डीडवाना प्रांत प्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक के नागौर संभाग प्रमुख शिम्भु सिंह आसरवा भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

सीकर और पाली में अधिवक्ताओं की बैठक संपन्न

विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले समाजबंधुओं के बीच आपसी संपर्क, संवाद एवं सहयोग को बढ़ाते हुए उनकी ऊर्जा को समाज हित में प्रयुक्त करने के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों के क्रम में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में समाज के अधिवक्ताओं की दो जिला स्तरीय बैठकें सीकर और पाली में आयोजित हुई। 28 फरवरी को सीकर स्थित रानी महल में बैठक रखी गई जिसमें उपस्थित अधिवक्ताओं द्वारा सामाजिक कार्यों में अपना समय देने, अधिवक्ताओं की टीम को जिले में तहसील स्तर तक जोडने एवं नियमित रूप से संवाद करते रहने के लिए ऐसी बैठकों के नियमित आयोजन आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। फाउंडेशन के सदस्य सुरेंद्र सिंह बसावता, वरिष्ठ अधिवक्ता बजरंग सिंह दूजोद, भवानी सिंह जेरठी, सिकेंद्र सिंह राजपुरा, रूपेंद्र सिंह बोची, ओम सिंह दूजोद, राज सिंह हुडील, देवेंद्र सिंह चिड़ासरा, विजयराज सिंह त्रिलोकपुरा, धर्मवीर सिंह नाथावतपुरा, भोजराज सिंह सिंहासन, नरेंद्र सिंह पूरा बड़ी, जितेंद्र सिंह भगतपुरा, त्रिलोक सिंह जाखल आदि बैठक में उपस्थित रहे। 4 मार्च को पाली स्थित वीर दुगार्दास राठौड़ छात्रावास में भी जिले के अधिवक्ता समाजबंधुओं की बैठक

आयोजित हुई। फाउंडेशन की केंद्रीय परिषद के सदस्य सुरेंद्र सिंह बसावता ने फाउंडेशन की कार्ययोजना पर बात करते हुए उसमें सहभागिता निभाने तथा तहसील स्तर पर भी इसी प्रकार की बैठकें करने संबंधी चर्चा की। साथ ही समाज के युवाओं को EWS प्रमाण पत्र बनाने में आ रही समस्याओं के समाधान में सहायता हेतु तहसील स्तर पर अधिवक्ताओं द्वारा जिम्मेदारी ली गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता शैतान सिंह जी गिरवर, प्रो. कीर्तिपाल सिंह आकोली, प्रेम सिंह जाडन, जितेंद्र सिंह मगरतलाव सहित अन्य अधिवक्ताओं ने भी अपनी बात रखी।

पड़धरी (गुजरात) में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न

गुजरात के गोहिलवाड़ संभाग के हालार प्रांत में पड़धरी स्थित जड़ेश्वर महादेव मंदिर परिसर में श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 24 से 27 फरवरी तक आयोजित हुआ। भगीरथसिंह सांडखाखरा ने शिविर का संचालन किया। उन्होंने प्रथम दिन शिविरार्थियों के भाल पर तिलक लगाकर उनका स्वागत करते हुए कहा कि इन तीन दिनों में संघ हमें अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से कई बातें सिखाएगा। ये छोटी-छोटी बातें हमारे जीवन को बहुत गहराई से प्रभावित करने वाली हैं लेकिन उसके लिए हमें उनको अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना होगा। यहां मिला शिक्षण आपके आचरण का अंग बनकर आपके जीवन को परिवर्तित करे, यही संघ की चाह है। यह चाह तभी पूरी होगी जब हम पूरे भाव के साथ शिविर की गतिविधियों में शामिल होंगे। शिविर के अंतिम दिन बालकों को विदाई देते हुए बताया गया कि इन तीन दिनों तक हमारे लिए हर प्रकार की व्यवस्था समाज द्वारा की गई और उस व्यवस्था का सदुपयोग करते हुए संघ द्वारा आपको शिक्षण दिया गया। इसलिए हम पर समाज और संघ का ऋण चढ़ गया है। इस ऋण को उतारने का उपाय यही हैं कि हम

संघकार्य करते हुए समाज की सेवा करें। यहां सीखी हुई बातों को आप अपने परिवार में, गांव में बताएं। अपने साथियों को शाखा में लाएं और संघ से जोड़ें। लेकिन यह तभी संभव होगा जब हमारे जीवन में परिवर्तन दिखाई देगा। आप श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं, इस बात को हमेशा याद रखें और उसी के अनुरूप व्यवहार करें। शिविर में विसामन, चनोल, खोखरी घनश्यामपुर, खोखरी घनश्यामगढ़, कोटड़ा नायानी, रतनपर, खाखराबेला, नेकनाम, विरवाव, मोरबी, खाखरा, डेडकदड़, अवानिया, बाड़ी, खंडेरा, हड़मतिया, आनदपर आदि गांवों से 114 बालकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

दिव्याकीर्ति सिंह का ड्रेसाज डिसिप्लिनमें एशिया में पहला स्थान

जयपुर निवासी दिव्याकीर्ति सिंह ने फेडरेशन इक्वेस्ट्रे इंटरनेशनल द्वारा जारी नई विश्व रैंकिंग में घुड़सवारी खेलों के 'ड्रेसाज डिसिप्लिन' में एशिया में पहला और दुनिया में 14वां स्थान प्राप्त किया है। इसके साथ ही उन्होंने ड्रेसाज डिसिप्लिन में चीन में आयोजित होने जा रहे 19वें एशियाई खेलों के संभावितों की सूची में भी स्थान बनाया है। वे इस इवेंट के लिए चुनी जाने वाली राजस्थान की पहली महिला है। दिव्याकीर्ति नागौर जिले के पीह गांव के निवासी विक्रम सिंह राठौड़ की पुत्री और संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक कर्नल हिम्मत सिंह पीह की पौत्री है। वे 2014 व 2015 में लगातार दो बार नेशनल जूनियर चैंपियन रह चुकी हैं एवं अभी जर्मनी में प्रशिक्षण ले रही हैं। दिव्याकीर्ति के पिता विक्रम सिंह पोलो के प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं।

भायंदर में राजपूताना क्रिकेट प्रीमियर लीग का आयोजन

राजस्थान राजपूत परिषद मुंबई के तत्वावधान में राजपुताना क्रिकेट प्रीमियर लीग-6 का आयोजन 11 व 12 मार्च को सचिन तेंदुलकर मैदान, भायंदर पूर्व में किया गया। प्रतियोगिता में मुंबई में रहने वाले प्रवासी राजपूत युवाओं की कुल 8 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में आशापुरा 11 मलाड की टीम विजेता और मल्लीनाथ भायंदर वारियर्स उपविजेता रही। श्री क्षत्रिय युवक संघ की भायंदर शाखा के स्वयंसेवकों ने प्रतियोगिता के दौरान भोजन व्यवस्था में सहयोग किया।

मेजर घनश्याम सिंह बने कोल इंडिया लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक

भारत सरकार के कोयला मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली ब्लू चिप कंपनी और महारत्न श्रेणी के सार्वजनिक उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड के स्वतंत्र निदेशक के रूप में मेजर घनश्याम सिंह राठौड़ (42 आर्म्ड रेजीमेंट) को नामित किया गया है।

उदयपुर-राजसमंद की प्रांतीय बैठक सम्पन्न

उदयपुर-राजसमंद की प्रांतीय बैठक 28 फरवरी को उदयपुर स्थित खारडा हाऊस में आयोजित हुई। बैठक में प्रांत में अब तक हुए संघकार्य की समीक्षा के साथ ही आगामी कार्ययोजना और शताब्दी वर्ष के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों के संबंध में चर्चा की गई। संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारडा व भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

गुरुकुल शिक्षण संस्थान का वार्षिकोत्सव समारोह संपन्न

गुरुकुल ग्रुप ऑफ एजुकेशन (गुरुकुल किड्स एकेडमी खातीपुरा जयपुर व टाट्स वर्ल्ड पब्लिक स्कूल गोकुलपुरा जयपुर) का वार्षिकोत्सव 12 मार्च को जयपुर में आयोजित हुआ। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेन्द्र सिंह आऊ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा शिक्षक का सम्मान है और यह समाज के लिए महती आवश्यकता है। जहां शिक्षक को सर्वोपरि सम्मान दिया जाता है वह समाज व राष्ट्र स्वतः ही विकसित होने के मार्ग पर अग्रसर हो जाता है। हम सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को इस प्रकार संस्कारित करना चाहिए जिससे कि वे अपने

शिक्षकों के प्रति सम्मान की भावना रखें। कार्यक्रम में बाल मजदूरी, पर्यावरण, बालिका शिक्षा, मोबाइल का दुरुपयोग व बच्चों के संस्कार आदि विषयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। देवेन्द्र सिंह बुटाटी (अध्यक्ष बुटाटी धाम व सदस्य ईडब्ल्यूएस बोर्ड राजस्थान सरकार), अनिल शर्मा (संस्थापक स्कूल शिक्षा परिवार), भंवर सिंह बांजाकुडी, विकास सिंह बारेठ, रोहिताश्व सिंह बसेई सहित अनेकों गणमान्य नागरिक कार्यक्रम में उपस्थित रहे। विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रधानाचार्य कुलदीप सिंह नाथावत ने प्रस्तुत किया। निदेशक कृष्णा नाथावत व मंजू कंवर राठौड ने प्रबंधन व्यवस्था संभाली। देवेंद्र सिंह बरवाली द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया, साथ ही सभी अभिभावकों से अपने बच्चों में संस्कार निर्माण के लिए प्रयत्न करने व उनसे निरंतर संवाद करते रहने का निवेदन किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी को यथार्थ गीता वितरित की गई। मंच संचालन विक्रम सिंह ने खुशी शर्मा, कृष्णा सोनी व अनसब खान के सहयोग से किया।

(पृष्ठ एक का शेष)

जो बड़े-बड़े त्याग...

गिद्ध दृष्टि का त्याग करके, सब कुछ ईश्वर का है, ऐसा भाव रखकर त्यागमयी जीवन जीना होगा। जो बड़े से बड़े त्याग को तत्पर रहता है, वही क्षत्रिय है। त्याग से जो डरता है, चाहे किसी भी वर्ण अथवा जाति से हो, वह मनुष्यतर जीवन जीता है। उपर्युक्त बात माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने अपने गुजरात प्रवास के दौरान 10 मार्च को साणंद में आयोजित स्नेहमिलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जिन्होंने ध्यान पूर्वक जीवन जीकर परमसत्य की अनुभूति की है, उन्हीं के द्वारा वेद, उपनिषद् आदि शास्त्र रचे गए हैं। अधिकांश उपनिषद क्षत्रिय ऋषियों द्वारा ही लिखे गए हैं। महर्षि अरविंद ने भी कहा है कि जिस राज्य में क्षत्रिय राजा नहीं हो, वहां ब्राह्मण को नहीं रहना चाहिए। इसलिए क्षत्रिय का दायित्व बहुत अधिक है। पूज्य श्री तन सिंह जी कहते थे कि दिए बिना कुछ मिलता नहीं और किए बिना कुछ होता नहीं। हम क्या दें और क्या करें? हमारे पास जो भी श्रेष्ठ है, वह देना सीखें। श्रेष्ठ को यदि बचाना चाहते हैं और नेष्ठ को देना चाहते हैं तो यह अनुचित है। अपनी श्रेष्ठता को समझें, किंतु वह सत्संग के बिना संभव नहीं है और सत्संग ईश्वर की कृपा के बिना नहीं होता। ईश्वर की कृपा प्राप्त करने के लिए अंतःकरण को निर्मल करना पड़ता है और अंतःकरण निर्मल होता है सत्कर्मों से। पूज्य श्री तनसिंह जी ने बताया है कि स्वधर्म पालन ही सत्कर्म है। श्री क्षत्रिय युवक संघ संस्कार निर्माण का काम करते हुए स्वधर्म पालन का पाठ पढ़ाता है। यह कार्य अत्यंत कठिन है, इसलिए जो सतत साधना करते हैं, वही संघ के मार्ग पर चल पाते हैं। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि बीज का नाश नहीं होता। इसलिए चिंता ना करें, ईश्वर का चिंतन करें। यह चिंतन हमारे जीवन में बहुत परिवर्तन लाता है, यह संघ में हमने अनुभव किया है। जब ईश्वर के प्रति समर्पित होकर हम कर्मशील होते हैं तब लोग भी हमारी बात सुनते हैं और हमारा अनुकरण भी करते हैं। स्थानीय जलधारा पार्टी प्लॉट में आयोजित कार्यक्रम में महामंडलेश्वर ऋषि भारती बापू ने लंबेनारायण आश्रम में आयोजित होने वाली शिव कथा में आने का सभी को निमंत्रण दिया। कार्यक्रम के दौरान पूज्य तनसिंह जी एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के परिचय का श्रव्य-दृश्य रूपांतरण एलईडी स्क्रीन पर दिखाया गया। राजपूत विकास संघ के अध्यक्ष अनिल सिंह वाघेला गोधावी, विजय सिंह चावड़ा (महाकाल सेना), वेलु भा झाला, बलदेव सिंह भैंसाना (डीसीपी ट्रैफिक अहमदाबाद) सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति सहित समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मध्य गुजरात संभाग प्रमुख अणुद भा काणेटी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। प्रांत प्रमुख दिग्विजय सिंह पलवाड़ा ने कार्यक्रम का संचालन किया। जय अंबे स्वयंसेवक संघ ने व्यवस्था में सहयोग किया। कार्यक्रम के दौरान पूज्य तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के दौरान संभाग में प्रचार में प्रयुक्त होने वाली सामग्री यथा - बैनर, वन वे विजन आदि का भी विमोचन हुआ। इससे पूर्व 10 मार्च की सुबह माननीय संरक्षक श्री बनासकांठा जिले के मोरवाडा गांव पहुंचे। यहां संरक्षक श्री के सान्निध्य में एक स्नेहमिलन कार्यक्रम रखा गया जिसमें ग्रामवासियों के साथ साथ आसपास के गांवों से भी समाजबंधु सम्मिलित हुए। स्नेहमिलन में माननीय संरक्षक श्री ने पूज्य श्री तनसिंह जी जन्म शताब्दी वर्ष के बारे में बताते हुए कहा कि हम पूज्य तनसिंह जी जैसे महापुरुषों की जयंती मनाते हैं क्योंकि अपने और अपने परिवार के लिए जो जीते हैं वे भी इंसान हैं, लेकिन उनसे भी श्रेष्ठ वह है जो अपनी सब जिम्मेदारियां निभाते हुए भी दूसरों के लिए, समाज, राष्ट्र और धर्म के लिए जीते हैं। ऐसे ही महापुरुषों की जयंती मनाई जाती है। आज पाश्चात्य सभ्यता के अनुकरण में हम अपना ही जन्मोत्सव मनाने की परंपरा सीख रहे हैं। ऐसा हमने क्या किया जिसकी इतनी खुशी मना रहे हैं? हमारे जीवन में जागृति कितनी है, इस पर विचार किए बिना घाणी के बैल की भांति कितनी भी यात्रा कर लें, उसका स्वयं को भी पता नहीं चलता। हम भी ऐसी ही यात्रा कई जन्मों से कर रहे हैं जो कहीं पहुंचाती नहीं है, यह चिंतन का विषय है। संरक्षक श्री ने आगे कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ की हीरक जयंती पर आयोजित समारोह से हम सभी का उत्साह तो बढ़ा ही, उस कार्यक्रम से क्षत्रिय जाति के प्रति अन्य लोगों का विश्वास भी बढ़ा क्योंकि उस आयोजन में सभी जाति-समाजों को साथ लिया गया। अब पूज्य श्री तन सिंह जी की जन्म शताब्दी भारत की राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर मनाई जाएगी, उसी का मैं आपको निमंत्रण देने आया हूं कि आप सब 28 जनवरी को दिल्ली पधारें। कीर्ति सिंह वाघेला (बनासकांठा भाजपा जिलाध्यक्ष), अर्जुन सिंह वाघेला सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति इस दौरान उपस्थित रहे। प्रांत प्रमुख अजीत सिंह कुणघेर सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। दोनों कार्यक्रमों के अंत में सभी को माननीय संरक्षक श्री की ओर से यथार्थ गीता का वितरण किया गया।

रजपूती की छाप...

शेरगढ़ विधायक श्रीमती मीना कँवर, लाडपुरा विधायक श्रीमती कल्पना कँवर, वल्लभनगर विधायक श्रीमती प्रीति गजेंद्र शक्तावत, सिवाना विधायक श्री हम्मीर सिंह भायल, मारवाड़ जंक्शन विधायक श्री खुशवीर सिंह जोजावर, भाजपा उपाध्यक्ष एवं रानीवाड़ा विधायक श्री नारायण सिंह देवल, चित्तौड़ विधायक श्री चंद्रभान सिंह आक्या, बाड़ी विधायक श्री गिरिराज सिंह मलिंगा, पूर्व विधायक एवं सैनिक कल्याण बोर्ड के पूर्व चेयरमैन श्री प्रेम सिंह बाजोर, राजगढ़ पूर्व विधायक श्री मनोज न्यांगली, परबतसर पूर्व विधायक श्री मान सिंह किनसरिया, लोहावट पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री गजेंद्र सिंह खींवसर, वल्लभनगर पूर्व विधायक श्री रणधीर सिंह भिण्डर, करौली पूर्व विधायक श्रीमती रोहिणी कुमारी, बनीपार्क पूर्व विधायक श्री बीरू सिंह राठौड़, उदयपुरवाटी पूर्व विधायक श्री रणवीर सिंह गुढ़ा, छबड़ा पूर्व विधायक करण सिंह राठौड़ सहित जनप्रतिनिधि मौजूद रहे । बैठक के प्रारंभ में श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह सरवड़ी ने विगत वर्षों में फाउंडेशन की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी एवं आगामी कार्ययोजना के बारे में बताया। बैठक का मुख्य मुद्दा EWS आरक्षण की सीमा 10% से बढ़ाकर 14% करने की माँग रहा । उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा में भाजपा और कांग्रेस की सरकारों ने आर्थिक पिछड़ो को 14% आरक्षण का बिल पास किया हुआ है जबकि EWS आरक्षण केवल 10% लागू किया गया है। अतः आर्थिक पिछड़ो को आरक्षण के बिल में दिये गये 14% को लागू करने की माँग सभी दलों के जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई । बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि समाज में सर्वाधिक विश्वसनीय संगठन श्री प्रताप फाउंडेशन है जो विशुद्ध रूप से समाज के लिए काम करता है। वरिष्ठजन कल्याण बोर्ड अध्यक्ष गोपाल सिंह ईडवा ने समाज का राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर जोर दिया तथा श्री प्रताप फाउंडेशन से आह्वान किया कि वे इसमें अग्रणी भूमिका निभाएँ । आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने राज्य की तर्ज.पर केंद्र से भी EWS आरक्षण से भूमि एवं भवन की शर्तें हटवाने की माँग को उठाने का आह्वान किया । पूर्व विधायक मनोज न्यांगली ने राजपूत समाज और पिछड़े वर्गों के बीच और अधिक भाईचारा तथा सहयोग बढ़ाने पर बल दिया।

उत्तर पूर्वी जयपुर प्रांत का मासिक स्नेहमिलन संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर संभाग के उत्तर पूर्वी प्रांत का मासिक स्नेहमिलन कार्यक्रम चंद्रविलास पैराडाइज, जोड़ला पावर हाउस के पास, सीकर रोड पर 05 मार्च को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मातृशक्ति सहित सैकड़ों समाज बंधु उपस्थित रहे। रामसिंह आकदडा द्वारा सभी को संघ का परिचय कराया गया एवं नानूसिंह रुखासर द्वारा प्रांत में हो रहे संघकार्य व संघ संस्थापक पूज्य श्री तनसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष हेतु की जा रही तैयारियों के बारे में बताया गया। नरेंद्रसिंह निमेड़ा ने हमारे समाज के धर्म, इतिहास व संस्कृति के बारे में बताया। मनोहरसिंह जालिमसिंह का बास ने संगठन का महत्त्व बताते हुए ईमानदारी और ध्येयनिष्ठा से कार्य करने की बात कही। सीमा कंवर ने परिवार में महिलाओं के उत्तरदायित्व के बारे में बताया। महेंद्रसिंह खेड़ी, जालमसिंह हुडील, दयालसिंह श्यामपुरा, पृथ्वी सिंह, धर्मेंद्रसिंह लखीमपुर खीरी, महावीर सिंह गोविंदपुरा आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीणसिंह विजयपुरा ने किया। इस दौरान अप्रैल में होने वाले आगामी मासिक स्नेहमिलन कार्यक्रम की भी जानकारी दी गई।

शक्तिधाम...

इस शिविर के बाद यह निश्चित कर लें कि संघ के निरंतर संपर्क में रहना है और यदि परिस्थितिवश नहीं आ सकते हैं तो उन परिस्थितियों की सूचना अवश्य दें। अपना सातत्य बनाए रखें। संघ के स्वयंसेवक को सदैव जागृत रहना चाहिए क्योंकि आपको देखकर दूसरे लोग प्रेरणा लेते हैं तो आपकी निष्क्रियता देखकर निराश भी होते हैं। ऐसा होगा तब ऐसा करेंगे, इस प्रकार की शर्तें रखने से हमारा समय कल्पना में ही बीत जाता है इसलिए संघ में शर्तें नहीं लाएं। माननीय संरक्षक श्री ने वाल्मीकि रामायण और तुलसीदास कृत रामचरितमानस के बारे में बातचीत करते हुए सभी स्वयंसेवकों को सद साहित्य के अध्ययन और स्वाध्याय करने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्वाध्याय और सत्संग से ही संघ समझ में आएगा। यदि हमने संघ को केवल सामाजिक संस्था ही समझा है तो हमारी समझ अधूरी है। संघ ईश्वर प्राप्ति का मार्ग है, वही मनुष्य जीवन का परम लक्ष्य है। हम क्षत्रिय के घर में जन्मे हैं इसलिए हमारे लिए क्षात्रधर्म पालन ही ईश्वर की प्राप्ति का मार्ग है। क्षात्रवृत्ति संसार में ना रहे तो सभी ओर असंबद्धता पैदा हो जाती है, इसीलिए क्षत्रिय की आवश्यकता है। उन्होंने रंतिदेव के त्याग का उदाहरण देते हुए कहा कि वह भी एक क्षत्रिय थे जिन्होंने भूखे अतिथि को भोजन कराने के लिए अपने और परिजनों के प्राणों की भी परवाह नहीं की। उस सीमा तक हम त्याग कर सकते हों तो ही हम क्षत्रिय बन सकते हैं। संरक्षक श्री ने अष्टसूत्री कार्यक्रम के बारे में बताते हुए उसके सभी आठ अंगों - शौच, संध्या, श्रम, सेवा, स्वाध्याय, चिंतन-मनन, मौन और ईश्वर प्रणिधान की व्याख्या भी की। केंद्रीय कार्यकारी महेंद्र सिंह पांची ने बताया कि 15 जनवरी को संघ की केंद्रीय अर्द्धवार्षिक बैठक जयपुर में आयोजित हुई थी तब चर्चा में यह बात आई कि कोरोना काल के बाद शिविर न लगने से हममें कुछ निष्क्रियता आ गई है। उस निष्क्रियता को दूर करने के उपायों पर जो चर्चा हुई, उसमें संरक्षक श्री के सान्निध्य में विशेष शिविर के आयोजन का प्रस्ताव आया जिससे सभी स्वयंसेवकों में पुनः सक्रियता की प्रेरणा जगे। उसी के अनुरूप माननीय संरक्षक श्री के निर्देशानुसार उनके गुजरात प्रवास के दौरान यह शिविर आयोजित किया गया। शिविर में महाराष्ट्र, उत्तर गुजरात, मध्य गुजरात और गोहिलवाड़ संभाग के संभागप्रमुखों व प्रांतप्रमुखों सहित 90 स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

श्री प्रताप युवा शक्ति द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के संस्थापक पूज्य तनसिंह जी के जन्म शताब्दी वर्ष के निमित्त एवं श्री खंडेश्वर जी महाराज को श्रद्धांजलि स्वरूप स्वर्गीय पुशु बना खैराबाद की नवम पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष की भांति श्री प्रताप युवा शक्ति के द्वारा विशाल रक्तदान शिविर 5 मार्च को महाराणा कुंभा ट्रस्ट, भीलवाड़ा में आयोजित किया गया। श्री प्रताप युवा शक्ति के प्रदेश उपाध्यक्ष कान सिंह खारड़ा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत गायत्री परिवार के यज्ञ के साथ की गई, तत्पश्चात एलईडी पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के परिचय का वीडियो दिखाकर सभी को संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। पूरे मेवाड़ क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से आए रक्तदाताओं ने उत्साह पूर्वक रक्तदान किया। मातृशक्ति ने भी उत्साह पूर्वक रक्तदान किया। शिविर में सैकड़ों यूनिट रक्तदान हुआ। सभी रक्तदाताओं को जिलाध्यक्ष नागेंद्र सिंह जामोली ने यथार्थ गीता भेंट की, साथ ही प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करने हेतु हाथीभाटा आश्रम के संत महाराज, बूंदी के वंशवर्धन सिंह हाडा, आसींद विधायक जबर सिंह सांखला, भीलवाड़ा विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी, विधायक प्रतिनिधि सहाड़ा जयदीप त्रिवेदी, भीलवाड़ा सभापति राकेश पाठक, कोटडी प्रधान करण सिंह बेलवा, हुरडा प्रधान कृष्णा सिंह राठौड़, सुवाना प्रधान चावंड सिंह एकलिंगपुरा, उपसभापति आसींद विक्रम सिंह चुंडावत, भाजपा जिलाध्यक्ष लादू लाल तेली, महाराणा कुंभा ट्रस्ट अध्यक्ष मणिराज सिंह लुहारिया, सचिव भगवत सिंह खारडा, एडवोकेट तेजवीर सिंह दौलतगढ़, जिला उद्योग केंद्र अधिकारी राहुल देव सिंह, प्रद्युमन सिंह बडलियास, पूर्व जिला प्रमुख शक्ति सिंह हाडा, पूर्व प्रधान चंद्रवीर सिंह जगपुरा, गोपालशरण सिंह बनेड़ा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली, मेवाड़ मालवा संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारड़ा, हाडोती प्रांत प्रमुख वीरेंद्र सिंह तलावदा भी सहयोगियों सहित उपस्थित रहे।

प्रेम सिंह पांचला को पितृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक प्रेम सिंह पांचला के पिता **श्री गोपाल सिंह जी रावलोत** का देहावसान 04 मार्च 2023 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

श्री गोपाल सिंह जी

श्री मल्लीनाथ राजपूत छात्रावास का वार्षिकोत्सव संपन्न

बाड़मेर में स्टेशन रोड स्थित श्री मल्लीनाथ राजपूत छात्रावास का वार्षिकोत्सव-2023 एवं प्रतिभा सम्मान समारोह 5 मार्च को संपन्न हुआ। सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष मानवेन्द्र सिंह जसोल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस छात्रावास की नींव 85 वर्ष पूर्व रखी गई थी। तब से लेकर आज तक इस छात्रावास ने अपने स्तर को बनाए ही नहीं रखा बल्कि लगातार बढ़ाया भी है। मैं यहां अक्सर आता रहता हूं और हर बार यहां कुछ न कुछ परिवर्तन और सुधार मिलता है। कमलसिंह जी और अन्य गुरुजनों ने यहां जो समय दिया है, यहां के छात्रों ने उसका सदुपयोग करते हुए सभी क्षेत्रों में सफलताएं प्राप्त करके क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। आईएएस अधिकारी आव्हाद निवृत्ति सोमनाथ ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यहां के बच्चों का अनुशासन प्रेरणादायक है। अनुशासन और ज्ञान से सजगता आती है और सजग युवाओं से ही कोई भी राष्ट्र प्रगति

के पथ पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने छात्रों से तकनीक का सदुपयोग करने और संवैधानिक मूल्यों में निष्ठा रखने की बात कही। एएसपी नरपत सिंह जैतावत ने कहा कि मैं बाड़मेर में तीन वर्षों से सेवा दे रहा हूं इसलिए इस छात्रावास के छात्रों के अनुशासन और श्रेष्ठ आचरण से परिचित हूं। हमारी जैसी संगति होती है वैसा ही हमारा व्यवहार बनता है, इसलिए सदैव अच्छी संगति में रहने का प्रयास करें। जिला शिक्षा अधिकारी एवं श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी कृष्ण सिंह रानीगांव ने कहा कि लोग भगवान के दर्शन करने के लिए मंदिर जाते हैं लेकिन यहां कमल सिंह जी छात्रों के लिए भगवान के ही समान है। उन्होंने पूज्य श्री तनसिंह जी के बताए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को इतना श्रेष्ठ बनाया है कि सभी उनसे प्रेरणा प्राप्त करते हैं। हमें भी उन्हीं की भांति तनसिंह जी के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने छात्रों को अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसकी प्राप्ति के लिए निरंतर कर्मरत रहने का संदेश दिया। संस्थान के अध्यक्ष रावत त्रिभुवन सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। व्यवस्थापक महिपाल सिंह चूली ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान शिक्षा, खेलकूद आदि विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया।

देवालयों के संरक्षण हेतु केंद्रीय मंत्री से की मांग

9 मार्च को सम्राट नाहड़ राव प्रतिहार स्मृति संस्थान मंडोर के अध्यक्ष राणोसा प्रताप सिंह के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मिलकर विभिन्न मांगों से अवगत कराया जिसमें मुख्यतः मंडोर स्थित प्रतिहार कालीन आस्था, विश्वास एवं श्रद्धा के केंद्र मां चामुंडा, दाता नाहड़ राव, ब्रह्मा, विष्णु, महेश आदि के मंदिरों के जीर्णोद्धार, स्थल के वैज्ञानिक उत्खनन एवं सर्वेक्षण तथा वहां स्थित पुरातात्विक महत्व की वस्तुओं के संरक्षण की मांगे मुख्य रही। उल्लेखनीय है कि 5 सितंबर 2022 को गोतावर (बस्तवा माताजी), बालेसर, जोधपुर में आयोजित मेले में बीस हजार से अधिक स्त्री-पुरुषों ने व 26 सितंबर 2022 को मंडोर में हैरिटेज वॉक के दौरान हजारों लोगों ने विरासत संरक्षण के लिए

हस्ताक्षरित छाया प्रतियों के साथ मांगपत्र प्रस्तुत कर राष्ट्रीय महत्व की विरासत के संरक्षण की मांग की थी। संस्थान के प्रतिनिधियों द्वारा लोक देवता जुंझार गोपाल जी दादो जी के पैनोरमा निर्माण हेतु भी उमेद सिंह चौरडिया (विधायक प्रतिनिधि शेरगढ़) को मांग पत्र सौंपा गया। अपनी धर्म बहन बोहेली गुजरी की आर्त पुकार पर अपने दर्जनों साथियों सहित संवत 1177 में गोपाल जी दादो जी ने अपना सर्वस्व बलिदान देकर मारवाड़ के प्राचीन इतिहास का प्रथम 'कबंध युद्ध' गोपालसर से गंगावा तक 40 किलोमीटर तक लड़ा था। दोनों स्थानों पर लोक देवता के रूप में उनकी पूजा स्थानीय निवासी आज भी करते हैं।

राजपूत सभा फरीदाबाद की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

राजपूत सभा जिला फरीदाबाद की कार्यकारिणी के सदस्यों की बैठक 12 मार्च को सभा के रजिस्टर्ड कार्यालय गांव पल्ला, फरीदाबाद पर आयोजित हुई। बैठक में सभा के कार्यवाहक अध्यक्ष गजेंद्र सिंह चौहान ने कमल सिंह तंवर (एडवोकेट) को पुनः अध्यक्ष बनाने का प्रस्ताव रखा, जिसे उपस्थित सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। कमल सिंह तंवर ने सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी समय में राजपूत सभा जिला फरीदाबाद राजपूत महापुरुषों की जयंती मनाने का कार्य प्रारंभ करेगी और समाज में क्षत्रिय आदर्शों को स्थापित करने का ईमानदारी से प्रयास करेगी।

गुजरात राज्य राजपूत संस्था संकलन समिति का दसवां स्नेहमिलन संपन्न

गुजरात राज्य राजपूत संस्था संकलन समिति का दसवां स्नेहमिलन सूरत स्थित दादा भगवान मंदिर में 4-5 मार्च को आयोजित हुआ। कार्यक्रम को वासुदेव सिंह गोहिल, रमजूभा जडेजा, विक्रम सिंह महारावल आदि ने संबोधित किया। सभी वक्ताओं ने गुजरात में कार्य करने वाली राजपूत समाज की विभिन्न संस्थाओं को एक मंच पर लाने और संकलित स्वरूप देने के लिए कार्य करने की बात कही। समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने, शिक्षा के क्षेत्र में समाज के युवाओं को प्रोत्साहित करने और मार्गदर्शन देने आदि बिंदुओं पर भी मंथन किया गया। प्रद्युम्न सिंह जडेजा को अगले एक वर्ष के लिए संकलन समिति का चेयरमैन चुना गया। कार्यक्रम में मातृशक्ति सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे। दक्षिण गुजरात राजपूत समाज और कच्छ कठियावाड़ राजपूत समाज के कार्यकर्ताओं द्वारा व्यवस्था का जिम्मा संभाला गया।

सायला में मनाई राणा चच्चदेव की जयंती

जालौर के सायला में दहिया राजवंश के वीर और परबतसर के शासक राणा चच्चदेव की 1056वीं जयंती 4 मार्च को मनाई गई। जयंती के उपलक्ष में दहिया राजपूत समाज द्वारा विशाल केसरिया वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली को कात्यायनी माता मंदिर से उम्मेदाबाद महंत आशा भारती महाराज ने केसरिया झंडी दिखाकर रवाना किया। यहां से रवाना होकर रैली पोस्ट ऑफिस रोड, पुराना बस स्टैंड, पंचायत समिति, वालेरी, मोकनी खेड़ा होते हुए बावतरा स्थित कैवाय माता मंदिर पहुंची। स्थान-स्थान पर ग्रामीणों द्वारा पुष्प वर्षा कर रैली का स्वागत किया गया। रैली के पश्चात गढ़ बावतरा स्थित मंदिर में महंत आशा भारती महाराज व प्रेम नाथ महाराज के सान्निध्य में सभा एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम को एडीएम डॉक्टर वार सिंह उदयपुर, सायला सरपंच रजनी कंवर, पूर्व प्रधान जबर सिंह तूरा, रघुनाथ सिंह तूरा एवं टीकम सिंह राणावत ने संबोधित किया। वक्ताओं ने समाज को नशे और दहेज जैसी कुरीतियों से मुक्त करने, बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने और समाज की प्रतिभाओं को अवसर उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली एवं जयपुर में आवासीय शिक्षण संस्थान खोलने की बात कही। श्री क्षत्रिय युवक संघ के जालौर संभागप्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापुरुषों की जीवनी से प्रेरणा लेने एवं सामाजिक सौहार्द और सद्भाव को बनाए रखते हुए मिलकर आगे बढ़ने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। भंवर सिंह दहिया सुराणा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

खेड़ा और गांधीनगर में सामूहिक लग्न समारोह का आयोजन

श्री गुजरात राजपूत सेवा समाज - खेडा द्वारा राजपूत जोड़ों के सामूहिक विवाह के प्रतिवर्ष किए जाने वाले आयोजन के क्रम में 15वां समूह लग्न 23 फरवरी को रधवाणज गांव जी खेड़ा में आयोजित किया गया। इस दौरान 9 नवदंपति विवाह संस्कार के बंधन में बंधे। समारोह में विभिन्न संस्थाओं के सामाजिक कार्यकर्ता और अनेक गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। श्री क्षत्रिय युवक संघ के चरोतर प्रांत की ओर से सभी नवविवाहित दंपतियों को अड़गड़ानंद जी महाराज द्वारा लिखित 'यथार्थ गीता' पुस्तक भेंट रूप में दी गई। मध्य गुजरात संभाग के स्वयंसेवक भी कार्यक्रम में सहयोगी रहे। इसी प्रकार गांधीनगर जिला राजपूत समाज सेवा ट्रस्ट द्वारा 25 फरवरी को 25वां (रजत जयंती) समूह लग्न कोलवड़ा गांव के जय अंबे पार्टी प्लॉट में आयोजित किया गया, जिसमें 40 जोड़े विवाह संस्कार में बंधे। समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला, विधायक सी.जे. चावड़ा, संत आनंद नाथ जी, रामस्वरूप जी आदि महानुभाव उपस्थित रहे। अहमदाबाद गांधीनगर प्रांत की ओर से सभी नवदंपतियों को यथार्थ गीता भेंट की गई। संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक दीवान सिंह काणेटी सहयोगियों सहित दोनों कार्यक्रमों में उपस्थित रहे एवं व्यवस्था में सहयोग दिया।

राजपूताना समाज दिल्ली ने मनाया होली स्नेहमिलन

राजपूताना समाज दिल्ली द्वारा 11 मार्च को होली स्नेहमिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें दिल्ली और एनसीआर में रहने वाले 125 से ज्यादा सदस्य सपरिवार उपस्थित हुए और उल्लास के साथ रंगोत्सव मनाया। समाज की सांस्कृतिक इकाई राजस्थानी संस्कृति परिषद द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम के दौरान रात्रि भोज भी रखा गया। संस्थान के महासचिव ओनाड सिंह शेखावत ने सभी का आभार प्रकट करते हुए आगे भी समाज के प्रत्येक समारोह में इसी प्रकार उपस्थित होने का आग्रह किया।

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (मालिक) के लिए मुद्रक व प्रकाशक लक्ष्मणसिंह द्वारा गजेंद्र प्रिन्टर्स, सांगों का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर-302003 (दूरभाष 2313462) से मुद्रित एवं ए/8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 **(दूरभाष: 2466353 व 2466387)** से प्रकाशित। सम्पादक- लक्ष्मणसिंह। Email:- pathprerak1997@gmail.com, Web site:- www.shrikys.org